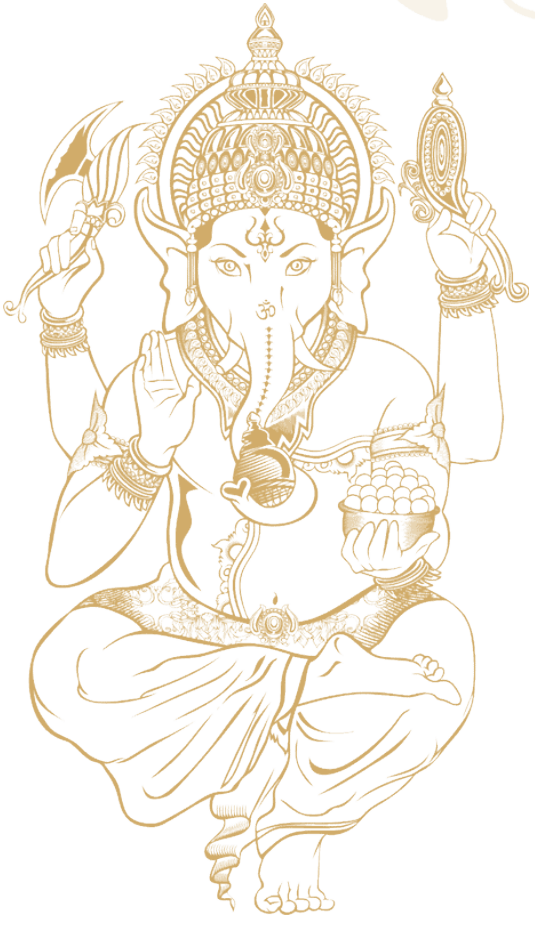

Vibha Halwai

07 Dec 1996

08:10 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121517202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/12/1996**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:10:00 घंटे**
इष्ट	03:53:03 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:08:16 घंटे
वेलान्तर	00:08:28 घंटे
साम्पातिक काल	13:12:52 घंटे
सूर्योदय	06:36:46 घंटे
सूर्यास्त	17:09:51 घंटे
दिनमान	10:33:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:27:29 वृश्चिक
लग्न के अंश	11:38:27 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:38:27	339:44:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	21:27:29	01:00:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	05:39:24	13:00:27	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			सिंह	25:29:26	00:27:17	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			धनु	09:47:14	01:23:52	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	25:47:58	00:12:46	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			तुला	23:34:58	01:14:35	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			मीन	06:48:23	00:00:23	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	11:42:27	00:03:49	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	11:42:27	00:03:49	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	08:11:59	00:02:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:10:00	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:39:28	00:02:20	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	25:55:32	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:52

लग्न-चलित

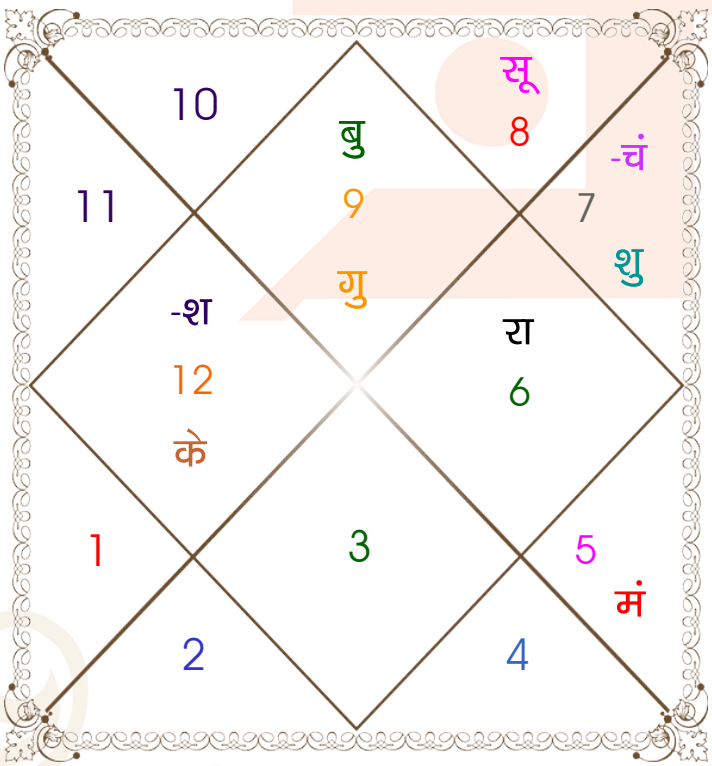

चन्द्र कुंडली

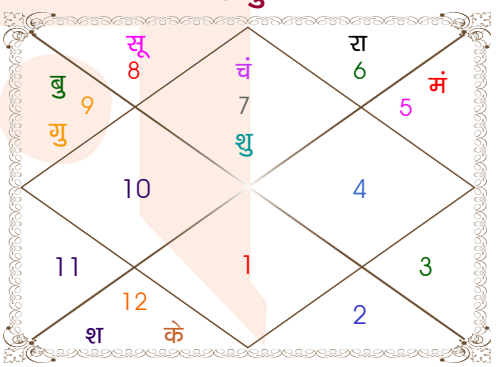

नवमांश कुंडली

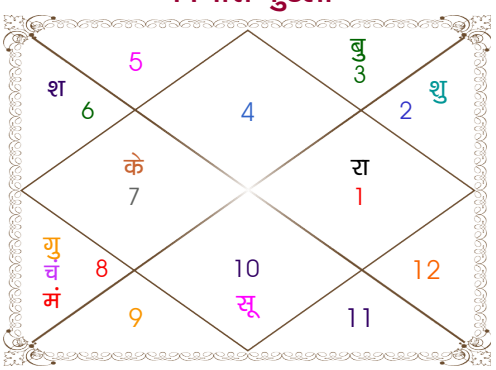

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 6 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/12/1996		19/06/1997		19/06/2015		19/06/2031		19/06/2050	
19/06/1997		19/06/2015		19/06/2031		19/06/2050		19/06/2067	
	00/00/0000	राहु	01/03/2000	गुरु	06/08/2017	शनि	22/06/2034	बुध	14/11/2052
	00/00/0000	गुरु	25/07/2002	शनि	18/02/2020	बुध	01/03/2037	केतु	12/11/2053
	00/00/0000	शनि	31/05/2005	बुध	25/05/2022	केतु	10/04/2038	शुक्र	12/09/2056
	00/00/0000	बुध	19/12/2007	केतु	01/05/2023	शुक्र	09/06/2041	सूर्य	19/07/2057
	00/00/0000	केतु	05/01/2009	शुक्र	30/12/2025	सूर्य	22/05/2042	चंद्र	18/12/2058
	00/00/0000	शुक्र	06/01/2012	सूर्य	19/10/2026	चंद्र	22/12/2043	मंगल	16/12/2059
	00/00/0000	सूर्य	30/11/2012	चंद्र	18/02/2028	मंगल	30/01/2045	राहु	04/07/2062
	07/12/1996	चंद्र	01/06/2014	मंगल	23/01/2029	राहु	06/12/2047	गुरु	09/10/2064
चंद्र	19/06/1997	मंगल	19/06/2015	राहु	19/06/2031	गुरु	19/06/2050	शनि	19/06/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/06/2067		19/06/2074		19/06/2094		19/06/2100		20/06/2110	
19/06/2074		19/06/2094		19/06/2100		20/06/2110		08/12/2116	
केतु	15/11/2067	शुक्र	18/10/2077	सूर्य	06/10/2094	चंद्र	20/04/2101	मंगल	16/11/2110
शुक्र	14/01/2069	सूर्य	19/10/2078	चंद्र	07/04/2095	मंगल	19/11/2101	राहु	04/12/2111
सूर्य	22/05/2069	चंद्र	18/06/2080	मंगल	13/08/2095	राहु	21/05/2103	गुरु	09/11/2112
चंद्र	21/12/2069	मंगल	18/08/2081	राहु	07/07/2096	गुरु	19/09/2104	शनि	19/12/2113
मंगल	19/05/2070	राहु	18/08/2084	गुरु	25/04/2097	शनि	20/04/2106	बुध	16/12/2114
राहु	07/06/2071	गुरु	19/04/2087	शनि	07/04/2098	बुध	19/09/2107	केतु	15/05/2115
गुरु	13/05/2072	शनि	19/06/2090	बुध	11/02/2099	केतु	19/04/2108	शुक्र	14/07/2116
शनि	22/06/2073	बुध	19/04/2093	केतु	19/06/2099	शुक्र	19/12/2109	सूर्य	18/11/2116
बुध	19/06/2074	केतु	19/06/2094	शुक्र	19/06/2100	सूर्य	20/06/2110	चंद्र	08/12/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 6 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।